मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ।
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।।

बाल कविताएँ

किलकारी

गतिविधि आधारित बाल कविताएँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

संकलन

काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

रचनाकार

रीना (स०अ०)
प्रा०वि० सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

बाल कविताएँ

कक्षा-1

पाठ-1

``प्यारा देश``

प्यारा-प्यारा मेरा देश।
सबसे न्यारा मेरा देश।।
हम बच्चे बनेगे इसकी शान।
देश को होगा हम पर अभिमान।।
भारत देश सबसे महान।
देश का बढ़ाएंगे हम मान।।

01

रचनाकार- रीना स.अ. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

बाल कविताएँ

कक्षा-1

पाठ-2 ` बाग `

देखो छत पर आए बन्दर।
कोई बड़ा कोई छोटा बन्दर।।
कोई पतला कोई मोटा बन्दर।
पापा उन्हें भगाए डंडा लेकर।
खौ-खौ करके डराए बन्दर।।

पापा उन्हें भगाए गुलेल लेकर।।
कभी आगे कभी पीछे बन्दर।
कभी ऊपर कभी नीचे बन्दर।।
कभी बाहर कभी घर के अंदर।
सबको नाच नचाए बन्दर।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

बाल कविताएँ

1 से 5 तक गिनती जानो...

कक्षा-1 पाठ- 3

आओ बच्चों गिनती जानो।
देखो, गिनो और पहचानो।।

एक हमारी होती नाक।
दो हमारी होती आँख।।

ऑटो में पहिये है तीन।
गाड़ी में है पहिये चार।।

हाथ में उँगली देखो पाँच।
देखो, गिनो और पहचानो।
1से 5 गिनती सब जानो।।

03

1
2
3
4
5

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

"अच्छे बच्चे"

पाठ- 4

कक्षा-1

बाल कविताएँ

नन्हें-मुन्ने बच्चों, अच्छे बच्चे बनो सब।
हमारी प्यारी मैडम, कैसे अच्छे बने हम।।

आओ, सिखलाऊँ कैसे अच्छे बच्चे बने सब।
रोज सवेरे जल्दी जागो सब।
रोज सवेरे मंजन करो सब।
रोज सवेरे ध्यान लगाओ सब।

रोज सवेरे ध्यान लगाओ सब।
रोज सवेरे कसरत करो सब।।
रोज सवेरे मल-मल के नहाओ सब।
रोज सवेरे नाश्ता करो सब।।

पढ़ने के बाद खेला भी करो सब।
रोज सभी को नमस्ते करो सब।।
बड़ो और गुरुजनों का आदर करो सब।
रोज रात को दूध पीयो सब।।

साफ-सफाई, खाने-पीने का ध्यान रखो सब।
मेरे प्यारे बच्चों ये अच्छी बातें अपनाओ सब।।
ऐसे ही अच्छे बच्चे बनो सब।
हमारी प्यारी मैडम ये अच्छी बातें अपनाएंगे हम।
इन्हें अपनाकर अच्छे बच्चे बनेंगे सब।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

लिखने की बारी...

बाल कविताएँ

कक्षा-1 पाठ- 5 `

आओ बच्चों करें तैयारी।
अब आई लिखने की बारी।।
रंगों के घोल में डालो
अपनी उँगली सारी।।

अंगूठे-उँगली से छापो,चूहा, बिल्ली,
मकड़ी, मछली, तितली प्यारी।।
फिर बनाओ रेत की ढेरी।
उस पर फेरो उँगली अपनी।।

सोचो कुछ भी अपने मन से।
बनाओ रेखा, आकृति न्यारी-न्यारी।।
फिर आँगन में सींक से खींचो।
अपने मन से आड़ी-तिरछी रेखा प्यारी-प्यारी।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

कक्षा-1

स्वरमाला गीत

बाल कविताएँ

पाठ- 6

अ - अम्मा आई।
आ - आम लाई।
इ - इमली खट्टी।
ई - ईंख बड़ी मीठी।
उ - उल्लू जागे रात में।
ऊ - ऊँट भागे रेत में।
ऋ - ऋषि तपस्या करे जंगल में।
ए- एक हमारी होती नाक।
ऐ - ऐनक के पीछे दो आँख।
ओ - ओखल में मिर्च मसाला कूटते।
औ- औरत को भारत में पूजते।
अं - अँगूर से भरी थाली।
अः -अः की जगह है खाली।
बच्चों बजाओ ताली।।

06

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

पतंग

पाठ-7 बाल कविताएँ

आसमान में उड़ी पतंग।
रंग-बिरंगे रंगों के संग।।
पूँछ लहराकर नाच दिखाए।।
सबको खूब रिझाए पतंग।
ऊपर-ऊपर उड़ती जाए।
पेच लड़ी और कटी पतंग।
काटे- काटे बच्चे चिल्लाएं।
दौड़ लगाई एक-दूजे संग।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

रसोई

किलकारी

पाठ-8 बाल कविताएँ

रसोई से खुशबू आई।
मम्मी ने जब कचौड़ी बनाई।।
साथ में चाय गरमा-गरम।
झट से कचौड़ी खा गये हम।।
रसोई से आवाज आई।
कुकर ने जब सीटी बजाई।।
मम्मी ने फिर कुकर खोला।
उसमें से पुलाव निकाला।।
झट-पट पुलाव खा गए हम।
अपनी रसोई है चमाचम।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

कक्षा-1

पाठ- 9

बाल कविताएँ

पानी

सबकी प्यास बुझाता पानी।
बहुत उपयोगी जीवन दानी।।
पानी की ना हो कोई हानि।
हम नही करेंगें दूषित पानी।।
बात ये हम सबने है मानी।
सब मिलकर बचाएंगे पानी।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

कक्षा-1 पाठ-10

1 से 9 तक संख्या ज्ञान

बाल कविताएँ

एक चिड़िया के बच्चे दो।
तीनों निकले घूमने को।।
चारों दिशा में चक्कर लगाया।
पाँच जगह पर दाना खाया।।
छः जगह पर पीया पानी।
सातवें घण्टे घर जाने की ठानी।।
आठवें घण्टे हुई थकान।
नौवें घण्टे किया आराम।।

10

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

संख्या में ज्ञान वृद्धि पाठ- 11

आओ बच्चों तुम्हें कराये,
संख्या में वृद्धि ज्ञान।
एक में एक मिलता जाए,
बढ़ता जाए संख्या मान।।

एक मछली बो रही थी जौ।
एक और आ गयी मिलकर हुई दो।।

दो मछली बजा रही थी बीन।
एक और आ गयी मिलकर हुई तीन।।

तीन मछली खा रही थी अनार।
एक और आ गयी मिलकर हुई चार।।

चार मछली पी रही थी छाछ।
एक और आ गयी मिलकर हुई पाँच।।

पाँच मछली कहानी रही थी कह।
एक और आ गयी मिलकर हुई छः।।

छः मछली कर रही थी बात।
एक और आ गई मिलकर हुई सात।।

सात मछली पढ़ रही थी पाठ।
एक और आ गयी मिलकर हुई आठ।।

आठ मछली थककर गयी सो।
एक और आ गयी मिलकर हुई नौ।।

नौ मछली जाल में गयी फ़ँस।
एक और आ गयी मिलकर हुई दस।।

बाल कविताएँ

11

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

कि ल का री

बाल कविताएँ

स्टेशन

पाठ- 12

देखो-देखो स्टेशन प्यारा।
अद्भुत है यहाँ का नजारा।।
कुली,कुली आवाज लगाता।
यात्रियों का सामान उठाता।।

चाय-चाय,चाय वाला चिल्लाता।
सबकों चाय बेचने आता।।
फल, पुस्तक के भी ठेले लगते।
पुलिस अंकल सबकी रक्षा करते।।

टी.टी. अंकल हरी झंडी दिखाते।
ड्राइवर अंकल फिर रेल चलाते।।

12

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

किलकारी

बाल कविताएँ

घटता क्रम या शून्य ज्ञान

पाठ- 13

चिड़िया-चिड़िया उड़ती जाए।
चिड़िया-चिड़िया खुशी से गाए।।
पाँच छोटी चिड़िया खा रही थी अचार।
एक चिड़िया उड़ गई,बाकी बची चार।।
चार छोटी चिड़िया पढ़ने में तल्लीन।
एक चिड़िया उड़ गई,बाकी बची तीन।।
तीन छोटी चिड़िया कपड़े रही धो।
एक चिड़िया उड़ गई,बाकी बची दो।।
दो छोटी चिड़िया बना रही थी केक।
एक चिड़िया उड़ गई बाकी बची एक।।
एक छोटी चिड़िया दाना रही चुन।
वो भी अब उड़ गई बाकी बची शून्य।।
सारी चिड़िया उड़कर बन गई हीरो।
जब कुछ नही बचता,
कहते है उसको शून्य या जीरो।।

रचनाकार- रीना (स.अ.) P.S. सालेहनगर, जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

बाल कविताओं का संकलन

किलकारी

मार्गदर्शक:-
राजकुमार शर्मा
चित्रकूट

रचनाकार:-
रीना (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
वि० क्षे०- जानी, जनपद- मेरठ

संकलन:- काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद